DEPARTMENT OF HINDI

B. A. HINDI

Programme Outcomes :

यह पाठयक्रम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित कृतियॉ अमल कर सकते है ः

PO1 : आलोचनात्मक विचार ःसाहित्य पढकर समीक्षा करने की शक्ति प्रदान होती है.साहित्य में समाज का चरित्र होता है.इससे समाज को परखा जा सकता है.अच्छे रचना की परख होकर उसपर चिंतन मनन किया जा सकता है.वैचारिक क्षमता बढ जाती है.

PO2 : प्रबावशाली संवाद पढना लिखना और सुनना अपने व्यक्तित्व को स्पष्ट रूप से प्रभावशाली बनाते है.भारतीय साहित्य के माध्यम से लोगों में काल्पनिक किताबीय और तकनीक संचार में वृध्दि कर सकते ेे

PO3 ः रचनाओं को पढकर समाज की समस्या का निवारण कर सकते है

PO4 ः साहित्य को पढकर समाज का हदय परिवर्तन कर सकते है.

PO5 ः साहित्य को पढकर जाति पाती एद्यां भेदभाव फैली कुरीतियों को समाप्त कर सकते है.

PO6 : कहानियों.कविता और उपन्यास को पढकर प्राकृतिक सौंदर्य का विश्लेषण कर सकते है.

PO7 ः आधुनिकता कि होड में व्याप्त कुरीतियॉ जैसे तलाक समस्या.एकल परिवार आदि बढती प्रवृतियों का निवारण.

PO8 ः प्रेम की उदात्ता एवं आदर्श प्रेम कि प्रेरणा प्राप्त होती है.

PO9 ः जीवन कि निराशा असंतोष क्षणभंगुरता आदि कि भावनाएँ नष्ट होती है.

PO10 ः ईश्वर कि आराधना बाहरी आडंबरों एवं उपकरणों से नहीं बल्कि शुध्द अंतकरण से होती है.

PO11 ः छात्रों में एवं युवाओं में दैश प्रेम कि भावना का निर्माण करती है .

PO12 ः समय का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है.महत्ता का बोध कराती है.

Programme Specific Outcomes

PSO1: विद्यार्थी साहित्य को मूल्यांकित कर समाधान का एहसास कर सकते है और साहित्य और भाषा कि समीक्षा कर सकते है.

PSO2: विद्यार्थी हिंदी साहित्य कि अच्छी कहानी कविता और उपन्यास को परखने कि कोशिश कर सकता है.

PSO3: विद्यार्थी हिंदी साहिॅय का ज्ञान ग्रहण करने के उपरांत अच्छी तरह से हिंदी बोलेगा समजेगा और लेखन कौशल्य में पारंगत हो सकेगा.

Course Outcomes

F.Y.B.A. HINDI

Course: 1097 General Hindi [G-1] Kahani,Kavya evm Lekhan

यह पाठयक्रम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित कृतियॉ अमल कर सकते है ः

CO1 : कहानियों को पढकर सच्चाई से जिने और जीवन मूल्यों के प्रति श्रध्दा एवं विश्वास सर्वधर्म समभाव एवं भारतीयता की भावना से प्रेरित होते है.

CO2 : ढोंग आडंबर पाखंड का विरोध करने की और तलाक जैसी समस्याओं पर चिंतन मनन करके इनका विरोध करने दृष्टि निर्माण करते है.

CO3 : कहानियों को पढकर महानगरीय जीवन की त्रासदी और व्यस्तता भरी जिंदगी तथा अकेलेपन पीडा एवं स्वार्थी मनोवृति व्याससायिका की प्रवृति लोक कलाओं के प्रति उपेक्षा की दृष्टि का ज्ञान करते है.

CO4 : दहेज की समस्या नारी जीवन की सबसे बिकट समस्या बनी है इस पर सामाजिक प्रबोधन की भौतिक चिजों से अधिक मूल्यवान मानवीय जीवन है का प्रचार करते है .

CO5 : कविताओं को पढकर आदर्श जीवन दर्शन और विवेक दूरदर्शिता शिक्षा ज्ञान विज्ञान सामाजिक सास्कृतिक समन्वय कि प्रेरणा पाते है .

CO6 : इन कविताओं को पढन से उनमें शुध्द प्रेम की भावना आत्मीयता की भावना विषगतियों के प्रति क्रांति करने की प्रेरणा मिलती है .

CO7 : समाज में व्याप्त धर्म संप्रदाय में भेदभाव जाति पात ऊंच नीच पूजापाठ में ढोंग आडंबर के विरूध्द आावाज बुलंद करने की क्षमता निर्मित होती है .

CO8 : श्रमिक के श्रम का ज्ञान समाज और देश के लिए त्याग एवं बलिदान करने की भावना सृष्टि में होनेवाले परिवर्तनों से समय के महत्व का ज्ञान जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की सीख मिलती है .

Course :1543 General Hindi [G-I] Kahani ,Kavya evm Lekhan

यह पाठयक्रम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित कृतियॉ अमल कर सकते है ः

CO1 : मन इच्छा कार्यशक्ति स्वभाव योग्यता के अनुसार व्यवसाय करने की भावना निर्माण होगी . वे सुखमय जीवन बीतायेंगे .

CO2 : व्यापार करने से जीवन स्तर ऊॅचा उठेगा . सुख साधनों की बढोत्तरी होगी . औदयोगिक जगत को लाभ होगा .

CO3 : स्वाभिमानपूर्ण जीवन जीने की कला निर्मित होगी . नैतिक मूल्युों के प्रति आस्था एवं विश्वाास होने से व्यापार में लाभ होगा .

CO4 : छात्रों के विकास से संबंधित चीजें अधिकांश ग्रामीण आंचल में होने चाहिए . जिससे उन्हें गांव नगर राज्य एवं देश को समृध्द बनाने में मदद होगी .

CO5 : ऊंच नीच की भेद भावना दूर करने की अंधश्रध्दा निर्मूलन करने स्त्री जाति पर होनवाले अत्याचारों के विरोध में आवाज बुलंद करने की भावना होगी .

CO6 : छात्रों में अपने देश के प्रति अपनी भाषा के प्रति प्रेम निर्माण होगा . उनमें उत्साह उमंग उल्लास विश्वास पुरूषार्थ कर्तव्यनिष्ठा की भावना होगी .

CO7 : समता करूणा आत्मियता संवेदना सर्मपण जैसे मानविय मूल्यों का निर्माण होगा . व्यक्ति समाज और देश की स्थिति में सुधार होगा .

CO8 : देश में किसी भी प्रांत में काम करने की जीवन को सफल करने की सकारात्मक दृष्टि निर्माण होगी . जिससे सब जगह सुख शांति बनेगी .

S.Y.B.A. HINDI

Course: 2097 General Hindi [G-2] Kahanai,Kavya aur Lekhan

यह पाठयक्रम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित कृतियॉ अमल कर सकते है ः

CO1 : छात्रों में निस्वार्थ प्रेम त्याग बलिदान की भावना होने से उनका समाज का और देश का भला होगा .

CO2 : छात्रों में मानवियता का गुण विकसित हेागा . देश की आज के समाज और देश को अवश्यक्ता है .

CO3 : छात्रों में सामन्यजनों के प्रति प्रेम दया परोपकार की भावना ऊच्य जानों के प्रति आक्रोश की भावना निर्मित होगी .

CO4 : जीवन में धन का महत्व एवं धन न होने से हानियों का ज्ञान होगा . स्वतंत्र जीवन जीने की प्रेरणा होगी निर्माण होगी .

CO5 : कविताओं से छात्रों में प्राकृतिक सौंदर्य देखने की सूक्ष्म दृष्टि आयेगी . पेड की उपयोगिता मनुष्य जीवन की उपयोगिता करने की भावना निर्मित होगी .

CO6 : छात्रों को शेर के समान साहसी एवं निर्भिक बनकर जीने की प्रेरणा दी हायी है . बकरी बनकर रहने की नहीं .

CO7 : गांवों के बच्चों की जिंदगी महत्वपूर्ण होती है वे धरती के धन देश के भविष्य और देश की शान है . इस दृष्टि से उन्हें देखने एवं उनकी स्थिति पर विचार करने की सीख मिलती है .

CO8 : छात्रों में विभिन्न क्षेत्रों के विषयों से संबंधित शब्दों का ज्ञान होना . पत्र लेखन की कला आना . विज्ञापन की कला से आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा मिलती है .

Course: 2098 SPL- HINDI [S-I] Bhashavigyan

यह पाठयक्रम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित कृतियॉ अमल कर सकते है ः

CO1 : भाषा के स्वरूप एवं बोलियों के अंतर का ज्ञान होगा . भाषा के विविध रूपों और बोलियों के भेदों का ज्ञान होगा . भाषा की उत्पति और विकास से संबंधित विभिन्न वादों का ज्ञान होगा .

CO2 : हिंदी के शब्द भंडार का ज्ञान होगा . लिपि के बारे में जानकारी होगी . लिखते समय मात्राओं की अशुध्दियों का ज्ञान होगा . हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होंगे .

CO3 : भाषा विज्ञान के प्रमुख अंगों एवं शाखाओं से परिचित होंगे . साथ ही साथ अन्य ज्ञान विज्ञानों से संसंधों का ज्ञान होगा .

CO4 : हिंदी ध्वनियों के शुध्द उच्चारण करने की क्षमता आयेगी . स्वर व्यंजन का सही ज्ञान होगा . शब्दों के अर्थ बोध के साधनों से परिचित होंगे .

CO5 : राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरूप का ज्ञान होगा . साथ ही साथ हिंदी की प्रचार प्रसार करनेवाली प्रमुख संस्थाओं से परिचित होंगे और स्वतःप्रचार प्रसार में अपना सुझाव व योगदान देंगे .

CO6 : भाषा के विविध रूपों और उनमें होनेवाले अंतरों के स्वरूप का ज्ञान होता है .

CO7 : हिंदी कि उत्पति और उसके विकास से संबंध्ति सिध्दांतों कि समीक्षा का ज्ञान होता हे .

CO8 : हिंदी कि अनेक बोलियों कि सीमाओं उनके नामकरण बोलनेवालों कि संख्या उनकी उपबोलिया साहित्यकार एवंख साहित्यिक रचनाओं का ज्ञान होता है .

Course:2099 SPL-HINDI [S-2] Madhyayugin kavya,Upnyash Aur Natak

यह पाठयक्रम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित कृतियॉ अमल कर सकते है ः

CO1 : उपन्यास से छात्रों में आजादी के बाद की इस देश की सामाजिक स्थिति का टूटते परिवारों की दशा मालूम होती है .

CO2 : सामान्य वर्ग का हर व्यक्ति सुखी सुविधाओं के लिए शहरा की ओर भागता है . किंतु वहॉ की संस्कृति और सभ्यता में उसे सुख चैन नहीं मिलता .

CO3 : महानगरों की यांत्रिक सव्यता में वह टूट जाता है . उसके नैतिक मुल्य एवं संबंध बदल जाते है . वह भीड में होते हुए भी अपने को अकेला महसूस करता है .

CO4 : सामान्य व्यक्ति को आधुनिकता और यांत्रिकता का प्रभाव इतना अधिक होता है की उसका परिवार ही उसे मूल्य नहीं देता . वह अपने नाम के लिए परिवार पर बोझ बनकर जीता है . छात्रों को इन विषयों पर चिंतन मनन करने की भावना पैदा होगी .

CO5 : नाटक के अध्ययन से विभिन्न कालों में विवाह पध्दति में किये गये कांतिकारी परिवर्तनों का ज्ञान से परिचित होंगे और आपना नया मार्ग निकालेंगे . जो उनके समाज और उनके भविष्य के लिए उपयोगी होगा .

CO6 : नाटक पढने से नाटक लिखने कि कला को अंगीकार कर सकते है तथा नाटकों के प्रस्तुतीकरण के लिए अपना योगदान देने का सफल प्रयास कर सकते हे .

CO7 : नाटक के माध्यम से अभिनय करने कि कला सीखते है और उत्कृष्ट नाटककार बनन का प्रयास कर सकते हे .

CO8 : कबीर .सूर .बिहारी और रहीम के दोहों एवं पदों से छात्रों में जहॉ एक और धर्म के प्रति आस्था एवं विश्वास निर्मित होगी व ऊॅच नीच के भेद भाव दूर करने की भावना बनेगी .

CO9 : समाज और देश का भला होगा .इन कवियों ने विभिन्न बोलियों .भाषाओं के शब्दों का मुहाविरों एवं लोकोक्तियों का विभिन्न रसों एवं छंदों का .विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया है .इनसे छात्र लाभान्वित होंगे .

T.Y.B.A. HINDI

Course:3097 General Hindi [G-3] Atamkathansh,Kavyanatak tatha Lekhan

यह पाठयक्रम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित कृतियॉ अमल कर सकते है ः

CO1 : हिंदी के प्रसिध्द साहित्यकारों के आत्मकथाओं से छात्रों में जीवन में संघर्ष करने की प्रेरणा पैदा होगी .उनमें आदर्श विचार .संकल्पशक्ति .यथार्थ जीवन जीने की प्रेरणा मिलेगी .

CO2 : देश प्रेम की भावना पैदा होगी .वे अपनी जाति अपने समाज और अपने देश के सुधार के बारे में चिंतन मनन करेंगे .लेख सुधारा से संबंधित लिखेंगे .

CO3 : छात्रों में कहानीकार .उपन्यासकार .नाटककार .बनने की भावना बनेगी .

CO4 : छात्र अनावश्यक खर्च नहीं करेंगे .यदि करते है तो उन्हें इन पाठो से सीख दी गई है .कि किसीसे उधार मांगना आत्मा को हिन बनाना और मलिन कर देना है .

CO5 : छात्रों मे ं स्त्री जाति की पीडा शोषण .अन्याय के प्रतिशोध की भावना पैदा होगी .

CO6 : छात्रों में नरी जाति के प्रति प्रेम सदभावना पैदा होगी .इन पाठों में ल्लेखिकाओं ने अपनी मॉ का ममता का अनुठा चित्रण किया है .

CO7 : समाज के श्रेष्ठ लोगो की दलितों के प्रति घृणित भावना ने सुधार करने के लिए विद्यार्थियों में प्रतिशोध की भावना बनेंगी .मनुष्य कर्म से श्रेष्ठ होता है .जाति से नहीं .इसका प्रचार प्रसार करेंगे .

CO8 : काव्यनाटक से नाटककार ने यह प्रेरणा दी है कि प्राचीन रूढियॉ परंपराओं और मूल्य वर्तमान समय में बाधक हो गये है छात्र छात्रों को इसका ज्ञान होगा .

CO9 : व्याकरण की पाठयक्रम से छात्रों में विविन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त होनेवाले शब्दों के अर्थो का ज्ञान .पत्र लिखने का ज्ञान .अनुवाद की कला का ज्ञान वृतांत लेखन का ज्ञान होगा .

T.Y.B.A.HINDI

Course: 3098 SPL- HINDI[S-3] Hindi Sahitya ka Itihash

यह पाठयक्रम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित कृतियॉ अमल कर सकते है ः

CO1 : हिंदी साहित्य के इतिहास के पाठय्ठक्रम से छात्रों को इतिहास के लेखन परंपरा का विभिन्न कालखंडों के नामकरण एवं समय सीमा का और युगीन परिस्थितियों का ज्ञान होगा .

CO2 : प्राचीनकाल .मध्यकाल तथा अधुनिककाल के साहित्य की प्रवृतियों का प्रसिध्द रचनाकारों का एवं प्रसिध्द रचनाओं का ज्ञान होगा .उसके अनुसार उनमें बौध्दिक विकास होगा .

CO3 : इतिहास के भक्तिकाल के साहित्य से छात्रों में विभिन्न प्रकार की भक्ति की शाखाओं का एवं उनकी विशेषताओं का ज्ञान होगा .उनमें निहीत आदर्श विचारों एवं नैतिक मूल्यों के प्रति प्रेम होगा .उनमें सुधार होगा .

CO4 : इस काल के संतों एवं भक्तों के साहित्य से कर्म करने की प्रेरणा मिलेगी .समाज में व्याप्त विषमताओं के विरूध्द आवाज करने की शक्ति पैदा होगी .

CO5 : रीति काल के साहित्य से छात्रों में नीति की दर्शन की विभिन्न क्षेत्रों के विषयों का ज्ञान होगा .

CO6 : अधुनिक काल की विभिन्न रचनाओं एवं रचनाकारों से छात्रों में साहित्य लेखन की क्षमता पैदा होगी .वे अपने युग के अनुकूल एवं प्रसंग के अनुकूल लेखन कर सकेंगे .

CO7 : वीरगाथाकालीन साहित्यिक रचनाओं से प्रेम एवं वीर साहसी भावनाओं कि वृध्दि होगी . भक्तिकाल कि रचनाओं से जाति पाति कि भेदभावना नष्ट होगी .

CO8 : भाक्तिकाल कि रचनाओं से शुध्द आचरण करने ईश्वर के प्रति प्रेम भक्ति श्रध्दा कि भावना निर्मित होगी .

Course: 3099 SPL-HINDI [S-4] Kavyashastra

यह पाठयकम सफलतापूर्वक पढने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित कृतियॉ अमल कर सकते है ः

CO1 : काव्यशास्त्र के पाठयकम से छात्रों को काव्य की प्रचलित संस्कृत हिंदी अंगेजी की पभिाषाओं का ज्ञान होगा . वे काव्य का प्रयोजन एवं हेतु समझेंगे . काव्य के तत्वों का ज्ञान होगा . उनमें कल्पनाशिलता एवं भाषाशैली की सुधता की क्षमता पैदा होगी .

CO2 : छात्रों को काव्य के भेदों का ज्ञान होगा . उनके तत्वों के आधार पर समिक्षा कर सकेंगे .

CO3 : विभिन्न अलंकारों की परिभाषाओं एवं सोदाहरण विवेचनों से जहॉ एक ओर इनका ज्ञान होगा वहीं दूसरी ओर उनमें अलंकारीक भाषाशैली की क्षमता भी विकसित होगी . वे अलंकारीक भाषा शैली में रचना कर सकेंगे .

CO4 : छात्रों में उपन्यास कहानी निबंध नाटक आदि के अध्ययन से उनमें निहीत विषयों का ज्ञान होगा . साथ साथ उनमें लेखन की तथा अभिनय करने की समीाक्षा करने की शक्ति पैदा होगी .

CO5 : रसों के छंदों के अध्ययन से छात्रों में विषय वस्तु एवं प्रसंग के अनुसार रसो एवं छंदों लेखन कला विकसित होगी . वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे .

CO6 : छात्रों में गदय एवं पदय की विभिन्न विधाओं के अलोचना करने . समीक्षा करने की भावना विकसित होगी . वे श्रेष्ठ आलोचक बन सकेंगे .

CO7 : छात्रों को रस सिध्दांत से रस कि परिभाषा और रस के प्रकारों का ज्ञान होगा .

CO8 : काव्य शास्त्र कि हिंदी अंग्रेजी और संस्कृत में कि गई परिभाषाओं से तीनों भाषाओं का ज्ञान होता है .